निरीक्षण | कोयला उत्पादन को नई गति देने की तैयारी, सुहागपुर एरिया में उच्चस्तरीय निरीक्षणों का सिलसिला जारी

एसईसीएल सोहागपुर एरिया पर मुख्यालय की विशेष नजर

प्रदीप शर्मा

नवभारत धनपुरी। दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के सोहागपुर एरिया में इन दिनों मुख्यालय स्तर की गतिविधियां चर्चा का प्रमुख विषय बनी हुई हैं। आमतौर पर किसी एरिया में समय-समय पर वरिष्ठ अधिकारियों के दौरे होते रहते हैं, लेकिन इस बार जो स्थिति बनी है वह काफी अलग और विशेष मानी जा रही है। पहली बार ऐसा देखने को मिला है कि बेहद कम समय के अंतराल में एसईसीएल मुख्यालय से तीन शीर्ष अधिकारियों ने सोहागपुर एरिया का दौरा किया है। पहले डायरेक्टर (टेक्निकल) का आगमन हुआ, उसके कुछ ही दिनों बाद डायरेक्टर (उत्खनन) ने क्षेत्र का निरीक्षण किया और अब एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) हरीश दुहन के आगमन ने इस पूरे घटनाक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है।

लगातार हो रहे इन उच्चस्तरीय दौरों ने न केवल अधिकारियों और कर्मचारियों का ध्यान आकर्षित किया है, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी यह चर्चा का विषय बन गया है कि आखिर मुख्यालय की नजरें सोहागपुर एरिया पर इतनी अधिक क्यों केंद्रित हैं। जानकारों का मानना है कि इसके पीछे सबसे बड़ा कारण कोयला उत्पादन को लेकर मुख्यालय की गंभीरता और भविष्य की रणनीति है। सोहागपुर एरिया एसईसीएल के महत्वपूर्ण उत्पादन क्षेत्रों में गिना जाता है। यहां संचालित खदानों से बड़ी मात्रा में कोयले का उत्पादन होता है, जो बिजली उत्पादन और विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में जब देश में ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है और कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार और कोल इंडिया की प्राथमिकताओं में शामिल है, तब उत्पादन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना स्वाभाविक माना जा रहा है। सबसे पहले डायरेक्टर (टेक्निकल) के दौरे के दौरान खदानों की तकनीकी व्यवस्थाओं, मशीनों की कार्यक्षमता, उत्पादन क्षमता तथा भविष्य की योजनाओं की समीक्षा की गई थी। बताया जाता है कि उन्होंने उत्पादन बढ़ाने के लिए तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग और आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया था। उनके निरीक्षण के बाद एरिया स्तर पर कई बिंदुओं पर गंभीरता से काम शुरू किया गया। इसके बाद डायरेक्टर (उत्खनन) का दौरा भी काफी महत्वपूर्ण माना गया। उन्होंने विभिन्न खदानों का निरीक्षण कर उत्खनन कार्यों की प्रगति, ओवरबर्डन हटाने की स्थिति, मशीनों की उपलब्धता और उत्पादन लक्ष्य की समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। उनके दौरे से यह स्पष्ट संकेत मिला कि मुख्यालय उत्पादन और उत्खनन दोनों मोर्चों पर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं चाहता। अब एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) हरीश दुहन का सोहागपुर आगमन पूरे एरिया के लिए विशेष महत्व रखता है। किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी में सीएमडी का दौरा केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं माना जाता, बल्कि इसे संगठन की प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा से जोड़कर देखा जाता है। सीएमडी के आगमन से यह संकेत भी मिलता है कि मुख्यालय सोहागपुर एरिया की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और संभावनाओं का प्रत्यक्ष आकलन करना चाहता है।

सूत्रों के अनुसार, सीएमडी ने खदानों की उत्पादन क्षमता, मशीनरी की उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था, परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तार से जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को उत्पादन लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बेहतर समन्वय और कार्यकुशलता के साथ काम करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने सुरक्षा मानकों के पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात भी कही। लगातार हो रहे इन दौरों के बाद एरिया के कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच भी नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। कर्मचारियों का मानना है कि जब मुख्यालय के शीर्ष अधिकारी स्वयं क्षेत्र में पहुंचकर स्थितियों का जायजा ले रहे हैं तो निश्चित रूप से विकास और उत्पादन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय भी जल्द सामने आ सकते हैं। वहीं अधिकारियों का कहना है कि मुख्यालय का यह विशेष ध्यान एरिया के लिए सकारात्मक संकेत है और इससे भविष्य में संसाधनों तथा सुविधाओं के विस्तार की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कोयला क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, उत्पादन लक्ष्य की चुनौतियां और ऊर्जा क्षेत्र की आवश्यकताओं को देखते हुए एसईसीएल अपने प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों पर विशेष फोकस कर रहा है। सोहागपुर एरिया में लगातार तीन शीर्ष अधिकारियों का आगमन इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

रेत से भरे मेटाडोर का आतंक : बाइक सवार को मारी टक्कर, वाहन घसीटते चालक फरार

▸ देर रात हादसे के बाद सड़क पर उड़ेला रेत का ढेर, अवैध कारोबार पर उठे सवाल

नवभारत, धनपुरी। विगत दिवस एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जानकारी के अनुसार रेत से भरे एक तेज रफ्तार मेटाडोर ने बिजली ऑफिस के पास सामने से आ रहे एक मोटरसाइकिल चालक को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि यदि बाइक चालक समय रहते वाहन से नहीं कूदता तो उसकी जान को गंभीर खतरा हो सकता था। बताया जा रहा है कि टक्कर के बाद मोटरसाइकिल मेटाडोर में फंस गई और चालक वाहन को रोकने के बजाय उसे घसीटते हुए कुछ दूरी तक ले गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने मेटाडोर को रोकने का प्रयास भी किया, लेकिन चालक तेज रफ्तार से मौके से भाग निकला।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भागते हुए मेटाडोर चालक रीजनल वर्कशॉप बुढार ग्रुप के पास पहुंचा, जहां वाहन में भरी रेत को सड़क पर ही खाली कर दिया। इसके बाद वह अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। सड़क पर रेत खाली किए जाने से यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई और लोगों में नाराजगी देखी गई। इस घटना के बाद क्षेत्र में अवैध रेत कारोबार को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय बड़ी मात्रा में रेत का परिवहन किया जा रहा है और इस कारोबार से जुड़े लोगों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे कानून और आम नागरिकों की सुरक्षा की भी परवाह नहीं कर रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना की शिकायत धनपुरी थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा टक्कर मारकर फरार हुए अज्ञात मेटाडोर और उसके चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही वाहन और चालक की पहचान कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस घटना ने न केवल सड़क सुरक्षा बल्कि क्षेत्र में कथित अवैध रेत परिवहन और उससे जुड़े नेटवर्क पर भी कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिक अब इस मामले में प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

▸ एक नजर में ◂

युवक के सीने और पेट में चाकू से 6 वार, हालत नाजुक

नवभारत, जबलपुर। गोहलपुर थाना अंतर्गत भोलानगर में बीती रात युवक पर उसके ही पड़ोसी ने पुरानी रंजिश के चलते चाइना चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपी ने युवक की हत्या करने की नीयत से उसके पेट, सीने और हाथ पर 6 गंभीर वार किए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल को अत्यंत नाजुक हालत में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां वह जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। पुलिस के अनुसार, भोलानगर निवासी सुनील कोल (44) पेशे से केबल ऑपरेटर हैं, रात करीब 10:30 बजे वह अपने घर में टीवी देख रहा था। इसी दौरान घर के बाहर से अचानक जोर-जोर से आवाजें आने लगीं। जब वह दौड़कर घर के बाहर निकला, तो उसने देखा कि पड़ोस में रहने वाला अंकुश केशरवानी उसके छोटे भाई विनोद कोल (26) के साथ विवाद कर रहा था। आरोपी अंकुश पुरानी किसी बात को लेकर विनोद को सरेराह धमकी दे रहा था। जब विनोद ने इसका विरोध किया तो अंकुश आपा खो बैठा। उसने तुरंत अपनी जेब से धारदार चाइना चाकू निकाला और विनोद पर टूट पड़ा। आरोपी ने विनोद के पेट और सीने को निशाना बनाते हुए एक के बाद एक आधा दर्जन वार किए। बीच-बचाव की कोशिश में विनोद के हाथ में भी गंभीर चोटें आईं। लहूलुहान विनोद की चीखें सुनकर जब भाई सुनील और मोहल्ले के अन्य लोग उसकी जान बचाने के लिए मौके की तरफ दौड़े, तो आरोपी अंकुश केशरवानी चाकू लहराते हुए अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। परिजन आनन-फानन में घायल विनोद को ऑटो से लेकर विक्टोरिया अस्पताल पहुंचे। वहां विनोद की हालत बिगड़ती देख डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। अत्यधिक खून बह जाने और सीने-पेट में गहरे घाव होने के कारण विनोद फिलहाल कुछ भी बोल पाने की स्थिति में नहीं है। सुनील कोल की शिकायत पर आरोपी अंकुश केशरवानी के खिलाफ हत्या के प्रयास के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

34, 660 किसानों से खरीदा गया 25 .89 लाख क्विंटल गेहूं

नवभारत,जबलपुर। जिले में इस वर्ष 34 हजार 660 किसानों से 25 लाख 89 हजार 031 क्विंटल गेहूं का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया गया है और अब तक 553 करोड़ रूपये की राशि का भुगतान भी किसानों के खाते में किया जा चुका है। किसानों को शेष लगभग 126 करोड़ रूपये की राशि का भुगतान भी प्रक्रिया में है और जल्दी ही उनके खाते में यह राशि जमा कर दी जायेगी। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में इस वर्ष किसानों से गेहूं का उपार्जन 28 मई तक किया गया था। समर्थन मूल्य पर गेहूं का विक्रय करने इस वर्ष 36 हजार 948 किसानों द्वारा स्लॉट बुक कराये गये थे। किसानों से खरीदे गये कुल गेहूं की 99.6 फीसदी मात्रा का अब तक परिहवन किया जा चुका है तथा 94.1 फीसदी मात्रा स्वीकृत भी की जा चुकी है। इस वर्ष किसानों से 40 रूपये बोनस सहित 2625 प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया गया है। कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा के अनुसार संख्या के लिहाज से जिले में पांच वर्षों के दौरान इस वर्ष सर्वाधिक किसानों से गेहूं का उपार्जन किया गया है।

विस्थापन एवं पुनर्वास की समस्याओं के समाधान का मिला आश्वासन

▸ रामपुर बटुरा खदान प्रभावित किसानों ने एसईसीएल अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक हरीश दुहन से की सौजन्य भेंट

नवभारत, धनपुरी। रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना से प्रभावित किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन से सौजन्य भेंट कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं लंबे समय से लंबित विस्थापन तथा पुनर्वास संबंधी मुद्दों से अवगत कराया। इस दौरान किसानों की ओर से एक संक्षिप्त ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसमें परियोजना प्रभावित परिवारों की प्रमुख मांगों और समस्याओं का उल्लेख किया गया। गौरतलब है कि रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना से प्रभावित किसान पिछले लगभग दस वर्षों से अपने अधिकारों, उचित पुनर्वास, मुआवजे और विस्थापन संबंधी समस्याओं के समाधान को लेकर संघर्षरत हैं। किसानों का कहना है कि परियोजना के विस्तार के कारण अनेक परिवारों के सामने आजीविका, आवास और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी गंभीर चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए वे लगातार प्रशासन और प्रबंधन स्तर पर अपनी बात रख रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने श्री हरीश दुहन को बताया कि परियोजना प्रभावित लोगों की कई मांगें वर्षों से लंबित हैं, जिससे ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है।

किसानों ने पुनर्वास, रोजगार, भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों तथा बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता जैसे विषयों पर विशेष ध्यान आकर्षित कराया। ज्ञापन में इन सभी मुद्दों के शीघ्र एवं न्यायसंगत निराकरण की मांग की गई। किसानों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए एसईसीएल अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने आश्वासन दिया कि प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी मुद्दे महत्वपूर्ण और संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि प्रबंधन इन विषयों का परीक्षण कर जल्द से जल्द समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि परियोजना प्रभावित लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

इस अवसर पर एसईसीएल के महाप्रबंधक श्री बी.के. जेना, संचालक (तकनीकी) श्री मनीष श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने भी किसानों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। सौजन्य भेंट में किसान नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति मनमोहन चौधरी सहित अन्य प्रतिनिधि शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने पूरे क्षेत्र की समस्याओं और जनभावनाओं से प्रबंधन को अवगत कराया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें प्रभावित किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सार्थक पहल किए जाने की उम्मीद व्यक्त की गई। क्षेत्र के किसानों ने भी इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए उम्मीद जताई है कि लंबे समय से लंबित विस्थापन एवं पुनर्वास संबंधी मुद्दों का शीघ्र समाधान होगा और प्रभावित परिवारों को न्याय मिल सकेगा।

16 .65 लाख का गांजा समेत सौदागर पकड़ाया

नवभारत, जबलपुर। क्राइम ब्रांच व बरेला पुलिस ने शारदा मंदिर तिराहे के पास घेराबंदी करते हुए ओडिशा से कार से लाया गया 33 किलो 300 ग्राम गांजा कीमती लगभग 16 लाख 65 हजार रूपये का जब्त करते हुए सौदागर को दबोच लिया है।

अति. पुलिस अधीक्षक अपराध जितेन्द्र सिंह ने बताया कि बरेला थाना प्रभारी शुभम सिंह ठाकुर को सूचना मिली कि मण्डला की ओर से तस्कर कार एमपी 20 जेड जी 9299 से अधिक मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर जबलपुर की ओर आ रहा है। सूचना पर एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये क्राईम ब्रांच एवं थाना बरेला की संयुक्त टीम द्वारा शारदा मंदिर तिराहे के पास नाकाबंदी की गयी, जिसे देखकर क्रेटा का चालक तेजी से भागने लगा, घेराबंदी कर कार को रोका गया, कार चालक बुलराजू पिता वैंकट राव 57 वर्ष निवासी शास्त्री नगर मेडिकल कालेज तिलवारा को दबोचा गया, जिसे सूचना से अवगत कराते हुये तलाशी लेने पर 2740 रूपये नगद, 2 मोबाइट रखे मिला क्रेटा कार को चैक करने पर में आधा-आधा किलो के 10 पैकिट, बोनट खोलने पर इंजन के उपर एक-एक किलो के 27 पैकिटों में गांजा रखा मिला जिसे तौल करने पर कुल 33 किलो 300 ग्राम गांजा कीमती 16 लाख 65 हजार रूपये का होना पाया गया।

सप्लायर से मोबाइल पर संपर्क, शुभम को बेचता था खेप

आरोपी ने पूछताछ करने पर उक्त गांजा उडिसा के टिटलागर टाउन बोलमगिर से एक व्यक्ति जिसका नाम नहीं जानता है से मोबाईल पर संपर्क कर गांजा खरीदकर लाना बताते हुये बताया कि वह गांजा लाकर शुभम सोनकर निवासी भानतलैया को बेचता है। एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये आरोपी बुलराजू, को प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार किया गया।

कई राज्यों में मूवमेंट

बुलराजू ने पूछताछ में कई राज उगले है। उसका मप्र के अलावा उप्र, आंध्र प्रदेश समेत बिहार, ओडिशा में भी मूवमेंट सामने आया है जिसकी पुलिस तफ्तीश कर रही है।

तकनीकी नवाचार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में निभाएंगे अहम भूमिका

नवभारत,जबलपुर । कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल ने शनिवार को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी फार्म का भ्रमण कर लौकी एवं खरबूजा के हाइब्रिड बीज उत्पादन की उन्नत तकनीकों का अवलोकन किया। उन्होंने फार्म पर विकसित किए जा रहे हाइब्रिड बीज उत्पादन के कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा, कृषि क्षेत्र में इस प्रकार के तकनीकी नवाचार किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अनुसंधान एवं तकनीकी गतिविधियां प्रशंसनीय हैं और भविष्य में ऐसे वैज्ञानिक प्रयासों को और अधिक प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश तिवारी और उनके सहयोगी हिमांशु वर्मा ने कृषि उत्पादन आयुक्त को लौकी एवं खरबूजा में हाइब्रिड बीज तैयार करने की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने नियंत्रित परागण, बैगिंग, टैगिंग तथा बीज प्रसंस्करण की विभिन्न बारीकियों को विस्तार से समझाया। वैज्ञानिकों ने बताया कि इन वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले हाइब्रिड बीजों का उत्पादन किया जा रहा है।

धनपुरी में अवैध ईंट भट्टों का जाल

कोयला सप्लाई पर उठे गंभीर सवाल

पर्यावरण प्रदूषण और राजस्व क्षति के बीच प्रशासनिक कार्रवाई पर क्षेत्रवासियों की नजर

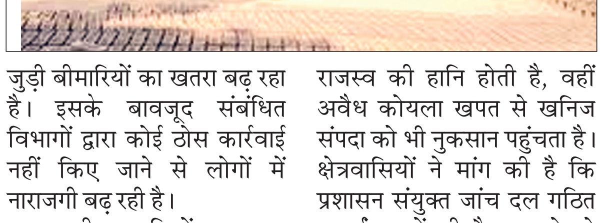

नवभारत, धनपुरी। धनपुरी क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित ईंट भट्टों का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में बिना वैध अनुमति और पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी कर कई ईंट भट्टे संचालित किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इन भट्टों तक खदानों से अवैध तरीके से कोयले की सप्लाई की जा रही है, जिससे पूरे मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है।

क्षेत्र में दिन-रात धुआं उगलते ईंट भट्टों से निकलने वाला प्रदूषण आसपास के ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। लोगों का कहना है कि जहरीले धुएं के कारण सांस एवं फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई ईंट भट्टों के पास पर्यावरणीय स्वीकृति और संचालन संबंधी आवश्यक दस्तावेज नहीं हैं, फिर भी वे खुलेआम संचालित हो रहे हैं। ऐसे में खनिज विभाग, प्रदूषण नियंत्रण विभाग और राजस्व अमले की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बाद भी कार्रवाई केवल औपचारिकता तक सीमित रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अवैध ईंट भट्टों के संचालन से शासन को राजस्व की हानि होती है, वहीं अवैध कोयला खपत से खनिज संपदा को भी नुकसान पहुंचता है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि प्रशासन संयुक्त जांच दल गठित कर ईंट भट्टों की वैधता, कोयले की सप्लाई श्रृंखला और पर्यावरणीय मानकों की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे।

इनका कहना है

आज तक कोई शिकायत हमें प्राप्त नही हुई है, आपके द्वारा जानकारी दी गई है हम अवैध कोयले पर अवश्य कार्यवाही करेंगे, ईंट उद्योग पर कार्यवाही नही कर सकते।

राहुल शांडिल्य
खनिज अधिकारी शहडोल

दर्दनाक घटना | ब्यौहारी अस्पताल में चारों की हो गई मौत

मां ने तीन बेटियों को कीटनाशक खिलाया, फिर खुद भी निगला

नवभारत, शहडोल। महिला ने अपनी तीन बेटियों को कीटनाशक खिला दिया, फिर खुद भी निगल लिया। इससे चारों की तबीयत बिगड़ गई। बड़ी बेटी ने घर से बाहर आकर पड़ोसियों को पुकारा। सारी बात बताई।

पड़ोसी चारों को लेकर ब्यौहारी अस्पताल भागे। जहां डॉक्टरों ने महिला और छोटी दो बेटियों को मृत घोषित कर दिया जबकि बड़ी बेटी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मामला हिरवार गांव में रविवार का है। मृतकों की पहचान अनिता सिंह (32) और उसकी बेटियों- रितिका (7), कृष्णकुमारी (4) और अर्पिता (2) के रूप में हुई है। पड़ोसियों ने बताया कि अनिता का पति ड्राइवर है। रोजी-रोटी कमाने दूसरे शहर गया है। घटना के समय घर में मां-बेटियां ही थीं।

सूचना मिलते ही पपौंध थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पड़ोसियों के बयान दर्ज किए। महिला के पति को फोन कर जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि मौके से अल्मोनियम सल्फाइड का पैकेट मिला है। मामले की सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। कीटनाशक देने के बाद घर में आग लगाई थी। टीआई बृजेंद्र मिश्रा ने कहा- बड़ी बेटी रितिका ने पड़ोसियों को बताया कि अनीता ने बेटियों को खांसी की दवा कहकर कीटनाशक दिया था। फिर घर में रखे सभी दस्तावेज, कपड़े, फोटो और अनाज में आग लगा दी थी। कीटनाशक की कम मात्रा गले से नीचे जाने पर रितिका बेसुध नहीं हुई। वह घर से बाहर आई और शोर मचाया। टीआई ने बताया- रितिका इस बात की जानकारी नहीं दे पाई कि मां ने ये कदम क्यों उठाया? घर के आर्थिक हालत बहुत अच्छे नहीं हैं। अनीता का पति करीब दो महीने पहले परिवार से मिलने आया था।

सास-ससुर से अलग रहता था परिवार

पुलिस ने बताया- अनीता अपने बच्चों को लेकर सास, ससुर से अलग रहती थी। पति उसे खर्च के लिए पैसे भेजता था। इसके अलावा वह खुद भी मजदूरी करती थी। पुलिस अनीता के मायकेवालों के बयान दर्ज करेगी, ताकि घटना का कोई सुराग मिल सके।